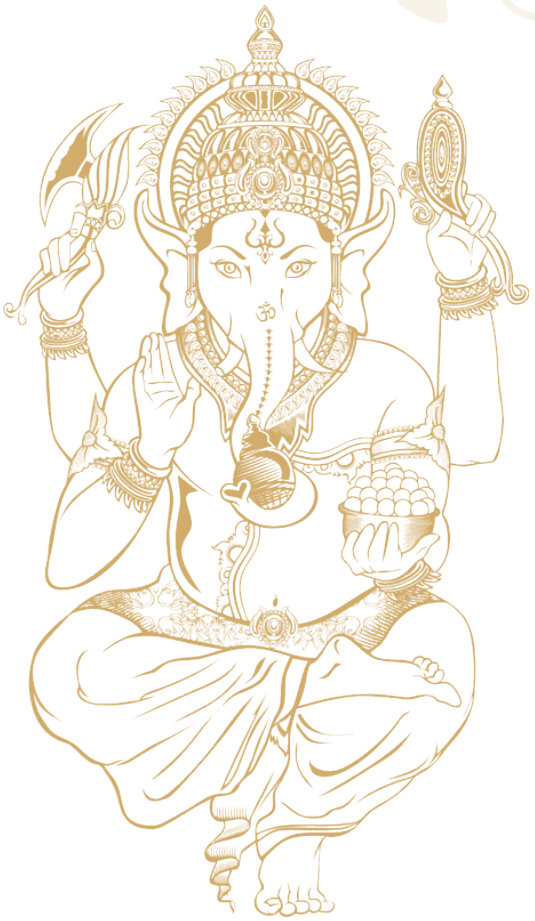

Mr.

20 Nov 1984

09:54 PM

Akhnur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121678502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/11/1984**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:54:00 घंटे**
इष्ट	36:59:33 घटी
स्थान	**Akhnur**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:54:00 उत्तर
रेखांश	74:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:22:56 घंटे
वेलान्तर	00:14:21 घंटे
साम्पातिक काल	01:22:24 घंटे
सूर्योदय	07:06:10 घंटे
सूर्यास्त	17:27:10 घंटे
दिनमान	10:21:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:53:38 वृश्चिक
लग्न के अंश	08:08:48 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	आयुष्मान
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:08:48	299:59:40	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	04:53:38	01:00:37	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			तुला	03:49:54	14:45:35	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			मक	10:03:18	00:45:08	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	25:55:43	01:14:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	18:47:44	00:11:52	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			धनु	14:23:52	01:11:59	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि		अ	तुला	26:33:04	00:07:08	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	उच्च राशि
राहु			वृष	03:48:21	00:00:04	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	03:48:21	00:00:04	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	19:14:10	00:03:35	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
नेप			धनु	06:19:45	00:02:00	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	09:28:04	00:02:15	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			मीन	28:38:01	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:30

लग्न-चलित

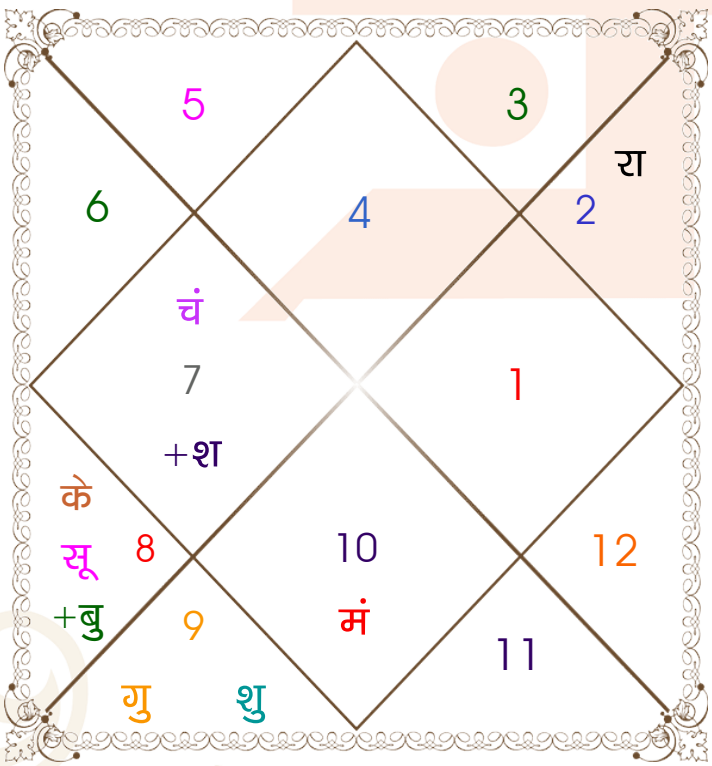

चन्द्र कुंडली

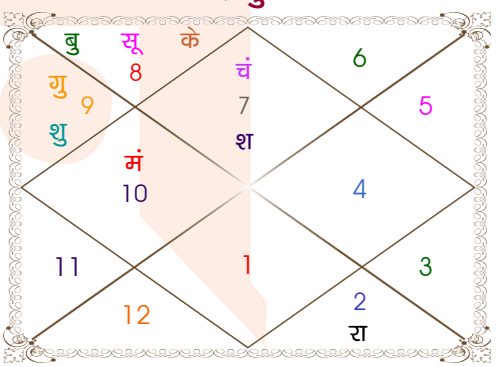

नवमांश कुंडली

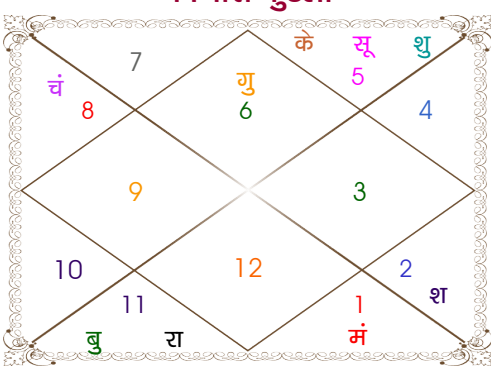

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 5 मास 26 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
20/11/1984		18/05/1986		18/05/2004		18/05/2020		18/05/2039	
18/05/1986		18/05/2004		18/05/2020		18/05/2039		18/05/2056	
	00/00/0000	राहु	28/01/1989	गुरु	06/07/2006	शनि	21/05/2023	बुध	14/10/2041
	00/00/0000	गुरु	24/06/1991	शनि	16/01/2009	बुध	28/01/2026	केतु	11/10/2042
	00/00/0000	शनि	30/04/1994	बुध	24/04/2011	केतु	09/03/2027	शुक्र	11/08/2045
	00/00/0000	बुध	16/11/1996	केतु	30/03/2012	शुक्र	09/05/2030	सूर्य	17/06/2046
	00/00/0000	केतु	05/12/1997	शुक्र	29/11/2014	सूर्य	21/04/2031	चंद्र	17/11/2047
	20/11/1984	शुक्र	04/12/2000	सूर्य	17/09/2015	चंद्र	19/11/2032	मंगल	13/11/2048
शुक्र	11/06/1985	सूर्य	29/10/2001	चंद्र	16/01/2017	मंगल	29/12/2033	राहु	03/06/2051
सूर्य	17/10/1985	चंद्र	30/04/2003	मंगल	23/12/2017	राहु	04/11/2036	गुरु	07/09/2053
चंद्र	18/05/1986	मंगल	18/05/2004	राहु	18/05/2020	गुरु	18/05/2039	शनि	18/05/2056

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/05/2056		18/05/2063		18/05/2083		18/05/2089		18/05/2099	
18/05/2063		18/05/2083		18/05/2089		18/05/2099		00/00/0000	
केतु	14/10/2056	शुक्र	17/09/2066	सूर्य	05/09/2083	चंद्र	18/03/2090	मंगल	14/10/2099
शुक्र	14/12/2057	सूर्य	17/09/2067	चंद्र	06/03/2084	मंगल	17/10/2090	राहु	02/11/2100
सूर्य	21/04/2058	चंद्र	18/05/2069	मंगल	11/07/2084	राहु	17/04/2092	गुरु	09/10/2101
चंद्र	20/11/2058	मंगल	18/07/2070	राहु	05/06/2085	गुरु	17/08/2093	शनि	18/11/2102
मंगल	18/04/2059	राहु	18/07/2073	गुरु	24/03/2086	शनि	18/03/2095	बुध	15/11/2103
राहु	05/05/2060	गुरु	18/03/2076	शनि	06/03/2087	बुध	17/08/2096	केतु	12/04/2104
गुरु	11/04/2061	शनि	18/05/2079	बुध	11/01/2088	केतु	18/03/2097	शुक्र	21/11/2104
शनि	21/05/2062	बुध	18/03/2082	केतु	18/05/2088	शुक्र	17/11/2098		00/00/0000
बुध	18/05/2063	केतु	18/05/2083	शुक्र	18/05/2089	सूर्य	18/05/2099		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 5 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।